





**BRIEF NEWS**

**22 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार**

**RANCHI :** राजधानी के रातू थाना पुलिस ने किराये के मकान में रहकर गांजा की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम गंगा सागर राय है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। इसके पास से 22 किलो गांजा और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रातू थाना क्षेत्र महाराजा तालाब शिवाला कॉलोनी के आस-पास चांदनी गुरु उर्फ हाजी गुरु अंसारी के घर में रह रहे किरायेदार के जरिये अशुद्ध गांजा का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के बाद डीएसपी मुख्यालय टू अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने उक्त स्थल पर पहुंचकर धरालदी की।

**मंईयां सम्मान योजना के सहयोग से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर : डीसी**

**RANCHI :** रविवार को रामपुर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति सभागार में मंईयां सम्मान से मंईयां स्वावलंबन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमंडल मंजूनाथ भर्जनी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस योजना के सहयोग से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना था। रांची जिले में मंईयां सम्मान योजना से संबंधित लगभग 20 हजार महिला समूहों के बीच बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं और दीदीयों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि का सदुपयोग करते हुए उन्होंने पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन और ड्रिप इरिगेशन के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाया है।

**बकाया टैक्स भरने का निगम ने दिया अंतिम मौका, कल से लगेगी फाइन**

**RANCHI :** वित्तीय वर्ष 2024-25 के होल्डिंग टैक्स के भुगतान का 31 मार्च अंतिम दिन है। रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत भवन मालिकों को 31 मार्च तक बकाया टैक्स नहीं जमा करने पर अगले वित्तीय वर्ष यानी 1 अप्रैल से अतिरिक्त जुर्माना राशि के साथ टैक्स का भुगतान करना होगा। टैक्स के भुगतान हेतु सोमवार को रांची नगर निगम कार्यालय एवं डोडा अचल कार्यालय से जान सुविधा केंद्र सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित रहेगी। इसमें सभी करदाता अपने होल्डिंग टैक्स, जल कर, ट्रेड लाइसेंस व वेस्ट यूजर चार्ज का बकाया भुगतान कर सकते हैं।

**अनाथ बच्चों के लिए लगा फ्री आई चेकअप कैंप**

**RANCHI :** रविवार को आदिम जनजाति सेवा मंडल द्वारा संचालित राजेंद्र आश्रम, निवारणपुर में रह रहे अनाथ बच्चों के लिए अक्षय सोना समाधान फाउंडेशन ने आंखों की निशुल्क जांच के लिए कैंप का आयोजन किया। इस जांच में सहयोग श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय ने किया। यहां बच्चों को कुछ सरलाह डॉक्टरों ने दी। जांच के बाद बच्चों को टॉफी और बिरिकट वितरित किए गए। फाउंडेशन की निदेशक डॉ. सुनीता कुमारी यादव ने कहा कि समय-समय पर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच होती रहनी चाहिए। मौके पर शंकर यादव, डॉ. श्रीमाली सुमी, श्यामल जी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

**अस्पताल में 5 महीने में 500 से अधिक हुई मोतियाबिंद की सर्जरी अब हाईटेक बन गया सदर हॉस्पिटल का आई डिपार्टमेंट**

**VIVEK SHARMA @ RANCHI :**

झारखंड की राजधानी रांची का सदर अस्पताल अपने परफॉर्मंस और सुविधाओं के आधार पर एक के बाद एक कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यहां मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं का क्रमिक रूप से विस्तार हो रहा है। इस कड़ी में अब सदर के आई डिपार्टमेंट ने एक और उपलब्धि हासिल की है। 5 महीने में 500 से ज्यादा मोतियाबिंद सर्जरी डॉक्टरों ने की है। विभाग में अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं का लाभ मरीजों को मिल रहा है। अस्पताल में मोतियाबिंद और अन्य नेत्र संबंधी ऑपरेशनों के लिए फेको विधि और एसआईसीएस विधि का उपयोग किया जा रहा है। यहीं वजह है कि ऑपरेशन की सफलता दर में वृद्धि हो रही है।

**सप्ताह में तीन दिन ऑपरेशन**

अस्पताल में सप्ताह में तीन दिन ऑपरेशन किए जाते हैं। ऑपरेशन के दिन 12 से 20 मरीजों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया जाता है। ऑपरेशन के बाद मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा भी प्रदान की जाती है। यहां पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए मरीजों को लगभग दो महीने का समय पहले से

**लेटेस्ट फेको और एसआईसीएस विधि से किया गया मरीजों का ऑपरेशन**

- सर्जरी के बाद रोगियों को प्रदान की जाती है लेंस प्रत्यारोपण की भी सुविधा
- हॉस्पिटल में टैरिजियम के साथ अन्य ऑपरेशन की सुविधाएं भी उपलब्ध
- जिन मरीजों को अस्पताल आने में होती है दिक्कत, उनके लिए वाहन सेवा मौजूद



**स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम**

नेत्र विभाग की टीम का नेतृत्व डॉ. प्रीतिश प्रसाद के हाथों में है। उन्होंने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता साबित की है। अस्पताल में जिला अंशुपान नियंत्रण कार्यक्रम और आयुष्मान भारत योजना का भी लाभ मरीजों को मिल रहा है। इससे मरीजों को मुक्त इलाज

**आने वाले समय की योजनाएं**

नेत्र विभाग में आने वाले समय में और भी नई सुविधा शुरू करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को फायदा हो सके। सदर अस्पताल के नेत्र विभाग में कार्यरत सभी चिकित्सक, नेत्र पदाधिकारी, नेत्र सहायक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी कर्मी दिन-रात मेहनत करके अस्पताल

की सुविधाओं को और भी बेहतर बना रहे हैं। डिप्टी सुपरिटेण्डेंट डॉ. बिमलेश सिंह ने बताया कि हमारे यहां हाईटेक मशीन लगी है। किसी भी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में ऐसी सुविधा नहीं है। नेत्र विभाग अब एक उक्तुक मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। यहां मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है।

ही मिल जाता है। अस्पताल में है। रांची जिले के सभी 14 प्रखंडों सदर अस्पताल के नेत्र विभाग में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही से मरीज आते हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है।

**चैती दुर्गा मंदिर भुतहा तालाब में चैत्र नवरात्र शुरू, की गई मां की आराधना**

**PHOTON NEWS RANCHI :**

रविवार को चैत्र नवरात्र का शुभारंभ राजधानी रांची के भुतहा तालाब स्थित चैती दुर्गा मंदिर में विधि-विधान से हुआ। मां चैती दुर्गा को समर्पित इस पर्व की शुरुआत कलश स्थापना से हुई। 1926 से चैती दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा इस पूजा का आयोजन किया जा रहा है। पूजा के पहले दिन मां भगवती के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। मुख्य पुजारी सुभाष चंद्र मिश्रा ने बताया कि आज से विक्रम संवत् 2082 का नूतन वर्ष प्रारंभ हुआ है और इस विशेष अवसर पर पूजा विधि-विधान से की गई। चैती दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे ने जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष महासमिति का 100वां वर्ष पूरा हो रहा है।



इसे लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पूजा को भव्य रूप से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पूजा आयोजन में किशोर साहू, लल्लू सिंह, शंकर दुबे, रमेश सिंह, गोपाल पारीक, नमन भारतीय, सौरभ राय, रोहित सिंह सहित अन्य सदस्यों का अहम योगदान है। पूजा के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्य योगदान दे रहे हैं।

**संगठन में समन्वय की थोड़ी चूक से बदल सकते हैं चुनावी परिणाम : प्रदेश कांग्रेस प्रभारी**

**RANCHI :** रविवार को कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित शिविर मंथन का पांचवां दिन दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने बैठक के दौरान कहा कि आज के सत्र में आए सुझावों और सूचनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी 14 लोकसभा

क्षेत्रों से जो बातें आई हैं, वे विचारणीय हैं और इन्हें संगठन की मजबूती के रूप में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि चुनावों में संगठन स्तर पर समन्वय में थोड़ी भी चूक होती है तो परिणाम बदल सकते हैं। इसके लिए हमें पहले से ही तैयारी करनी होगी और चुनावी रणनीति को मजबूत करना होगा।

**Virus Collection** Mb : 7050175468

**ईद मुबारक**

झारखंड वासियों को **ईद** की शुभकामनाएं

**सिरमटोली प्लाईओवर : आदिवासी समुदाय ने जताया आक्रोश**

**RANCHI :** रविवार को रांची के सिरमटोली सरना स्थल के पास प्लाईओवर रैप को लेकर आदिवासी समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। लोग प्लाईओवर रैप के परमानेंट समाधान की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार और प्रशासन से वार्ता के बाद रैप को पीछे कर दिया गया है। वहीं सरना स्थल के मुख्य द्वार के पास भी व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया गया है। बता दें कि सुबह से ही सिरमटोली-मेकॉन प्लाईओवर रैप विवाद को लेकर इलाके को छवनी में तब्दील कर दिया गया था। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके।

**PERFECT LEATHERS**  
Shop No. - H-101, Sainik Market, Main Road, Ranchi-1

**ईद मुबारक**

परफेक्ट लेदर की ओर से सभी देश वासियों को **ईद मुबारक**

**ईद मुबारक**

मेहराब आलम की ओर से सभी देश वासियों को **ईद मुबारक**

Mehrab Alam  
Karbala Chowk

**I. Max** A COMPLETE MAN,S WEAR  
Sainik Market, Main Road, Ranchi-834001

**ईद मुबारक**

आईमैक्स की ओर से सभी देश वासियों को **ईद मुबारक**

**THE TIGER SHOE**

टाइगर शूज की ओर से सभी सभी देश वासियों को **ईद मुबारक**

**Yes Sir** Tailor & Clothiers

**ईद मुबारक**

यस सर टेलर एंड क्लोथर की ओर से सभी देश वासियों को **ईद मुबारक**

Main Road, Ranchi

**गुप्ता भंडार** प्रो. विष्णु गुप्ता

Address : Main Road, Ranchi

A GROCERY DEPARTMENTAL STORE

**GUPTA BHANDAR** OVER 70 YEARS

झारखंड वासियों को **ईद** की शुभकामनाएं





## ...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते हैं।

- ▶ फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- ▶ बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- ▶ बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो

- जाती हैं।
- ▶ जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- ▶ यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ▶ ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता है, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- ▶ जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।



## सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौछा न करें

धार्मिक ग्रंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल गृहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

### थाली में न छोड़ें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूटा नहीं छोड़ना चाहिए और न ही कभी जूटे बर्तनों को यूँ ही पड़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूटे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरू हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

### बैठ को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कंचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

### जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

### बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरूम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।



## हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक है। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

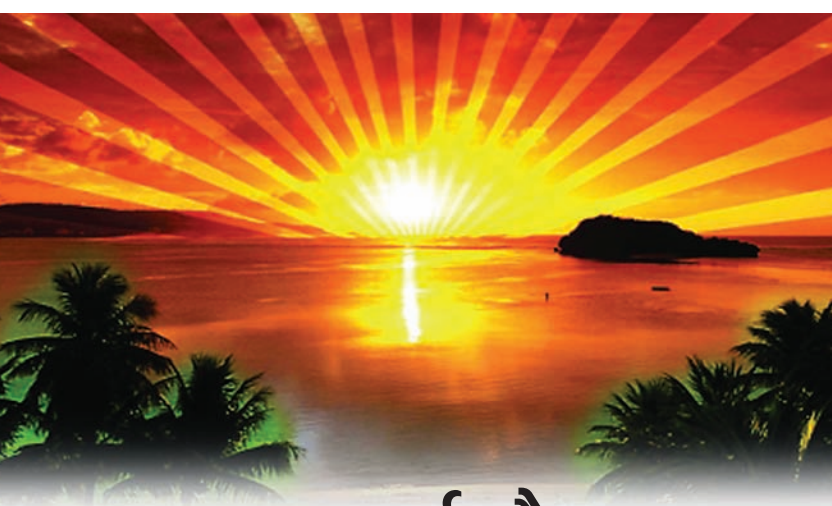
ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोड़कर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वाले मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।



### इन मंत्रों का करें जप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।  
ओम गणधीशाय नमः भृगराज पत्र।  
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।  
ओम गजामुखाय नमः दुर्वापत्र।  
ओम लम्बोदराय नमः बर का पत्र।  
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।  
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।  
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।  
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।  
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।  
ओम हेरम्बाय नमः सिरूर पत्र।  
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।



## सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- ▶ सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- ▶ प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आवर्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप स्वस्थ रह सकते हैं।
- ▶ अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- ▶ भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरुस्त रहता है।
- ▶ खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत

असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।

- ▶ दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- ▶ यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियों व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- ▶ भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उचित और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- ▶ रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुपाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।



## गोमेद एक खूबसूरत रत्न जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ओम सुराग्रजाय नमः आक पत्र। गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

### रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगुठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात् ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

### किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगुठी में जडवा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का अंगुली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इससे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

### कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न-जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

## पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और सुखहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलान दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहरा असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताते जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉन्फिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।





## The shifting lakshman rekha of fear

As the Supreme Court throws out an FIR against Congress MP Imran Pratapgarhi, filed in January by the Jamnagar police over an Urdu poem — which the Gujarat High Court had subsequently refused to quash — and Kunal Kamra refuses to apologise for his comments on his social media show, the top-of-mind question this week is, How far has the lakshman rekha of fear been internalised by India that is Bharat? Each of us manage our own lakshman rekhas, of course, and shift them up and down depending on how the season turns out. Supreme Court justices Abhay Oka and Ujjal Bhuyan kept it simple... 75 years into our Republic, we cannot be seen to be so shaky on our fundamentals that mere recital of a poem or for that matter, any form of art or entertainment, such as stand-up comedy, can be alleged to lead to animosity or hatred amongst different communities. Subscribing to such a view would stifle all legitimate expressions of view in the public domain which is so fundamental to a free society," they said, weighing in on the Pratapgarhi matter. On Friday, the Delhi High Court also set aside the Centre's order cancelling the OCI card of Swedish citizen, noted academic and Modi critic Ashok Swain — he wanted to visit the country to meet his ailing mother and couldn't. It's not clear what happens now because the court has allowed the Centre to issue a fresh show-cause notice to Swain. By day-end, Friday, even the Madras High Court had delivered its own thumbs up, by giving Kamra the anticipatory bail he had sought that morning. The bail was in anticipation of the Mumbai FIR against the word "gaddar" or "traitor" that Kamra had used for Maharashtra Deputy Chief Minister Eknath Shinde without naming him. Not that Kamra has apologised for his impudence. Unlike Ranveer Allahbadia and Samay Raina barely a month ago, whose tasteless mother-father jokes had nevertheless left a "kya yaar" feeling in India's mouth, Kamra said, "I don't fear this mob and I will not be hiding under my bed, waiting for this to die down."

So, the question at the tail end of this week: Is freedom of speech and expression in danger of breaking out of its stifling confines? Is something turning in the heart of the Republic, symbolised by both Pratapgarhi and Kamra waving identical red-and-black copies of the Constitution, as if to remind the nation that Articles 19 and 21 continue to empower them and could you, too?

Question is, could the lakshman rekha of fear be shifting again? Fact is, because he now lives in Tamil Nadu, Kamra, at least for the moment, is safe. MK Stalin's DMK government will protect him, although it won't defy the courts, all the while politically challenging the BJP. Perhaps, Bhagwant Mann's Punjab could have been in the same sweet spot. The chief minister started off public life as a brilliant comedian, learning fast from the 'Laughter Challenge' stand-up show — his "Pushpa" jokes remain the stuff of political folklore — and implementing those life lessons in the Lok Sabha. He remains extremely shrewd and still has the capacity to deliver an impeccably-timed punch, except, sometimes, it seems as if the sand is slipping from his fingers. Fact is, Punjab is far too debt-ridden, far too addicted to both buprenorphine or plain heroin, far too dependent on the distorted fortunes of its agricultural patterns as well as its Canada diaspora, and therefore, far too fallen on the table of grace for the rest of the country to take it seriously. For the moment, Tamil Nadu, with its unfunny socio-economic parameters that are the envy of the country, wins. As for whether "life begins where fear ends," a gratuitous Osho proverb at the end of the Kamra episode after which all hell broke loose earlier this week, life seems to have quickly moved on since the Supreme Court's Friday free speech rap. In Parliament at least, the newest debate was on the 14th-century Rajput king Rana Sanga's credentials, with a Samajwadi MP calling him a "traitor" for allegedly inviting Babur into the country to defeat Ibrahim Lodi.

## Authoritarianism is Turkey's biggest economic risk

Turkey is not yet a failed democracy, but it is dangerously close to becoming one.

TWELVE years ago, I published a commentary that asked: "Why is Turkey rebelling?" Demonstrators had flooded the streets of Istanbul to protect Gezi Park from being turned into a shopping mall. Today, they are back, not for trees or green spaces, but in response to the culmination of years of lawlessness and creeping authoritarianism. Then, as now, the protests reflect a deep, mounting frustration with the steady dismantling of Turkey's democratic institutions.

Last week, Istanbul Mayor Ekrem Imamoglu — who has twice defeated the ruling Justice and Development Party (AKP) in local elections — was arrested on the day he was expected to announce his candidacy in the 2028 presidential race. The charges against him, including bribery and abuse of office, have been denounced as politically motivated. Imamoglu is widely seen as President Recep Tayyip Erdogan's most credible challenger and opposition leaders argue that his sudden arrest is no coincidence. The public responded with outrage. Protests erupted across the country. For many of the millions who have joined the demonstrations, this is no longer about one man or one court decision. It is about a political system that has lost its legitimacy. The question now echoing across Turkey is whether the country's authoritarian slide has finally reached the point of no return. For those who remember the 2013 Gezi protests, the imagery is familiar: teargas in the streets, chants in city squares, police surrounding courthouses and universities. This time, however, the economy is central to the unrest. In 2013, Turkey was still considered an emerging economic success story. Growth was strong, inflation hovered around 6 per cent, and the lira was stable. The AKP government, still riding the credibility of early-2000s International Monetary Fund-supported reforms, commanded respect from markets and foreign investors. But that rosy picture has unravelled. In 2025, growth is lower and inflation remains at double-digit levels, despite the central bank's recent return to the orthodox monetary policy. While some of the foreign capital that was lost through many years of economic mismanagement began to trickle back last year, Imamoglu's arrest has shattered investor confidence again. The lira has plunged and Turkey's risk premium spiked. Like in 2013, the deeper message of the ongoing protests is clear: economic performance is inseparable from institutional health. You can have good technocrats at the central bank and finance ministry, but

if the judiciary is politicised, the media muzzled and academic institutions under siege, those "adults in the room" are not enough. Foreign and domestic investors alike price the political risk as economic risk, driving up the cost of capital. Competitive elections and competent technocrats alone do not sustain a democracy. Institutions do. And when the rule of law is eroded, dissent is silenced and universities and media outlets lose their independence, the economy, too, will falter. Imamoglu's imprisonment may be the last straw for Turks who understand this link between institutions and economic stability. More than just a popular mayor, Imamoglu, is a national symbol of political pluralism and

independent voices are punished and marginalised. Issues like femicide, educational disparities, youth disenfranchisement remain unaddressed because public resources have been diverted towards rewriting history and rewarding loyalists. This should concern not only Turkish citizens, but also its allies, especially in the US. In fact, the parallels with President Donald Trump's administration are hard to ignore. Unlike many European democracies, whose leaders condemned Imamoglu's imprisonment, the US response to the erosion of democratic institutions in a NATO member state of 85 million people has been muted. Worse, patterns familiar to those who have lived in Turkey during the last decade are emerging within the US. The Trump administration has repeatedly targeted knowledge institutions, especially universities. Because college-educated voters often lean toward the opposition (Democrats), academia has become a scapegoat. Attacks on academic freedom, rejection of science and promotion of conspiracy theories are all part of the institutional rot that Turkey has witnessed since 2013.

Whether it's denying the well-documented link between interest rates and inflation (as Erdogan has done) or dismissing climate science, rewriting the history of January 6 and spreading misinformation about Covid-19 (as Trump has done), assaults on truth are essential to authoritarian rule. Universities are not just centres of learning; they are guardians of public reason, without which democracy breaks down.

Turkey is not yet a failed democracy, but it is dangerously close to becoming one. Whether it returns to the path of institutional reform or continues its descent into authoritarianism will depend on the choices made in the days ahead. The international community — particularly the US — should pay close attention, not only because of Turkey's geopolitical importance but also because the struggle unfolding in its streets between students and security forces mirrors a global battle between democracy and its enemies. Democracies rarely die suddenly. Their demise is the culmination of a process featuring political prosecutions, the imprisonment or disqualification of opponents, criminalisation of protest, seizure of control over universities and the silence of those who know better. To paraphrase Dylan Thomas, Turks are showing that they will not go gently into that authoritarian night.



democratic possibility. His sweeping victories in Istanbul reflected a broad-based desire for change and his removal now signals that Erdogan's regime is unwilling to let that change happen through democratic means. What makes this moment even more significant than Gezi is the scale and diversity of the resistance. While the 2013 protests were largely driven by secular, urban youth, today's marches span social, generational and ideological divides. Students, unionised workers, small business owners, conservative youth, liberals, the elderly and Kurds are marching together under the unifying chant: "Hak, hukuk, adalet" ("Rights, law, justice"). Their cause goes far beyond Imamoglu. They are protesting the deliberate misuse of state institutions to criminalise dissent and entrench economic inequality. When justice is politicised, dissenters become traitors and those aligned with the regime thrive while

## Curbs on Eid prayers

Parents, institutions pushing students too hard

IF Chief Minister Yogi Adityanath is to be believed, Muslims in Uttar Pradesh are as safe as Hindus, and all communities are treated equally. However, the Meerut police seem to be in no mood to prove him right. Ahead of Eid-ul-Fitr, they have outlawed namaz in public places, particularly on roads or in streets. Violators will be booked in criminal cases, which may lead to their passports being cancelled and driving licences revoked. The police have stipulated that Eid prayers should be held at local mosques or designated Eidgahs. In a communally sensitive state like UP, efforts to prevent disturbances and ensure peaceful celebrations are laudable, but imposing harsh curbs on worshippers from a minority community reeks of intolerance.

The controversial order has been slammed by none other than a BJP ally in the NDA government. Union minister and Rashtriya Lok Dal chief Jayant Singh posted on X: "Policing towards Orwellian 1984!" It's apparent that the police have been given carte



blanche by their political bosses to use high-handed methods and ride roughshod over the constitutional

right to freedom of religion. Religious processions of various communities invariably disrupt traffic in India. This is considered par for the course. Why should Eid prayers be singled out? Last year, a Delhi cop was caught on camera kicking people who were offering namaz on the road outside a crowded mosque. Meerut cops have employed a subtler method — harassment and intimidation — to deal with worshippers. Maintenance of law and order as well as communal harmony is merely a fig leaf to hide deep-rooted prejudices. Just a month ago, Yogi had lavished praise on the state police for their role in the successful conduct of the Maha Kumbh. Now, he needs to reassure Muslims that their Eid would not be marred by overzealous policing. It's time for the CM to walk the talk on liberty and equality in UP.

## Yashwant Varma and the cost of public trust

The collegium's actions should reflect a commitment to the due process, ensuring that individuals are not sacrificed to satisfy public clamour.

Justice Yashwant Varma's predicament echoes the agnipariksha faced by Sita in the Ramayana. However, another historical parallel exists — the Salem Witch Trials. Both analogies highlight the dangers of public judgment. While Sita's ordeal emphasised the sacrifice of personal dignity for public trust, the Salem trials caution against unchecked suspicion and mob justice. In Varma's case, the judiciary must tread carefully, ensuring justice without succumbing to public hysteria.

After Ravan's defeat, Sita was joyfully reunited with Ram. Yet, doubts about her purity lingered in Ayodhya. Ram, bound by his duty as king, demanded that Sita prove her chastity. To uphold public trust, Sita walked through fire. Though the flames left her unscathed, her vindication was not enough. Ram, pressured by public perception, banished her to the forest. Sita's exile was not a consequence of guilt but a sacrifice to maintain the legitimacy of the throne. Sita's departure was not a retreat but a rejection of a society that had doubted her. Even after her sons Luv and Kush restored her honour by reciting the Ramayana to Ram, Sita chose to return to the earth rather than reclaim her place as queen. Her departure preserved the institution's dignity, though it came at the cost of personal justice.

In 1692, Salem, Massachusetts, witnessed a series of trials driven by fear and paranoia. Accusations of witchcraft spiralled out of control, leading to the execution of innocent people. The Salem Witch Trials serve as a grim reminder of how unchecked suspicion and public hysteria can lead to irreversible damage. The trials were a miscarriage of justice where perception, not evidence, dictated outcomes. The trials show the dangers of allowing public sentiment to overwhelm the due process.

In Yashwant Varma's case, these historical lessons resonate deeply. His situation mirrors Sita's in its demand for public validation. It also carries echoes of Salem, where perception risks overshadowing truth. The judiciary must walk a fine line between addressing

public concerns and safeguarding against a witch-hunt. Justice Varma now finds himself in a similar crucible. A fire in the storeroom of his government bungalow led to the discovery of burnt currency notes. Allegations, though unproven, have cast a long shadow over his reputation. Each day brings new rumours and despite the absence of concrete evidence, public suspicion grows. Even if Varma is ultimately cleared, his future may remain tarnished. Like Sita, he faces scrutiny not just for his actions but also to preserve the sanctity of the institution he serves. His innocence may not be enough to restore public trust. The judiciary, like Ayodhya, must be seen as beyond reproach. However, the Salem analogy serves as a warning that unchecked allegations can erode the principles of justice.

In this climate of intense scrutiny, the SC's collegium faces its own test. The collegium, tasked with judicial appointments and oversight, operates under growing pressure for transparency. In an era where media trials can shape public perception, the collegium's commitment to openness is commendable. However, transparency must be balanced with caution. Rushing to judgment, as in Salem, risks damaging both individuals and institutions. The collegium's inquiry into Varma's case reflects its desire to uphold judicial integrity. But it must resist the impulse to sacrifice fairness for expediency. Public trust is essential, but it should not come at the cost of due process. The collegium's actions should demonstrate a commitment to measured responses, ensuring that justice prevails without yielding to public frenzy. It is essential to remember that the actions of one judge should not tarnish the entire judiciary. Institutions are larger than the individuals who serve them. The judiciary's strength lies in its resilience and ability to

self-correct. While Varma's case demands scrutiny, it should not undermine confidence in the judiciary as a whole. Public perception often conflates individual failings with institutional flaws. The Salem Witch Trials demonstrated how hysteria can engulf entire communities, eroding trust in established structures.



Similarly, in Varma's case, it is crucial to distinguish between individual inquiry and collective integrity. The judiciary's credibility should not hinge on the outcome of one investigation. Sita's banishment was an unjust consequence of a necessary act. Varma, too, may find that exoneration, if it comes, will not restore his standing. Public perception, once tainted, rarely resets. Even if the inquiry absolves him, Varma's continued presence may be seen as a blemish on the institution. In such cases, institutions often prioritise stability over fairness to individuals. However, the judiciary must learn

from Salem. The presumption of innocence remains a cornerstone of justice. Rushing to remove Varma to appease public opinion may weaken, not strengthen, institutional integrity. A balanced approach — one that respects due process while addressing public concerns — is essential.

Sita's departure was not an admission of guilt. It was a statement that her truth did not need validation from a society that had doubted her. Varma may face a similar fate. Even if he clears his name, his continued presence may be a reminder of the controversy. Like Sita, he may choose, or be compelled, to walk away. His departure, if it happens, would not signal failure but a commitment to preserving the judiciary's sanctity.

However, Varma's departure should not be framed as a necessary sacrifice. The judiciary must resist the temptation to appease public opinion at the cost of justice. The lesson from Salem is clear — sacrificing individuals to preserve institutional image can backfire, undermining the very trust it seeks to protect.

The judiciary stands at a crossroads. It must balance the need for transparency with the virtues of restraint. The collegium's actions should reflect a commitment to due process, ensuring that individuals are not sacrificed to satisfy public clamour. The lessons of Sita's agnipariksha and the Salem Witch Trials converge here. Justice must be seen, but it must also be just. Varma's case is not just about one judge. It is about the future of public trust in the judiciary. A hasty decision, driven by perception rather than fact, risks undermining the very principles the judiciary seeks to uphold. The collegium's measured approach can ensure that justice prevails, safeguarding both individual dignity and institutional integrity.

## Got Married? Here's How To Update Your Aadhaar Surname— Steps & Documents Inside

**New Delhi.** The last trading session on FY25 saw Dalal Street ending in red as Sensex and Nifty closed lower on Friday, with auto and IT stocks leading the decline. Investor sentiment was impacted by concerns over new US tariffs, which weighed on global markets.

The S&P BSE Sensex fell by 191.51 points to close at 77,414.92, while the NSE Nifty50 dropped 72.60 points to end at 23,519.35. Vinod Nair, Head of Research at Geojit Financial Services, said that Asian markets are going through a phase of consolidation as the latest US trade measures are expected to affect major manufacturing economies.

"Additionally, a rise in Japan's Consumer Price Index (CPI) has added to market weakness. Domestically, the market's upward movement has slowed as investors assess the impact of these tariffs on auto, ancillary, pharma, and other sectors. New Delhi: The Aadhaar Card is a 12-digit unique identification number issued by the Government of India. It is essential for various services, such as opening a bank account, investing in government schemes, and accessing welfare programs. The Unique Identification Authority of India (UIDAI) is responsible for issuing Aadhaar numbers to citizens.

The Aadhaar Card serves as an important proof of identity, so it's essential to keep it updated with accurate information. Many people don't know that they can update details like their marital status, mobile number, address, and even their Aadhaar photo. You can do this easily by visiting the official UIDAI website or your nearest Aadhaar Enrollment Centre. Follow these simple steps to update your surname after marriage:

Visit the UIDAI Portal – Go to UIDAI's official self-service update portal and enter your Aadhaar number. Enter Your Details – Provide your updated name and surname. Upload Documents – Scan and upload self-attested supporting documents.

Verify with OTP – An OTP will be sent to your registered mobile number. Confirm & Submit – Enter the OTP and apply for the name change.

## You can soon nominate four persons in your bank account; change in locker rule too

**Kolkata.** So far you could nominate only one person in your bank account. But soon you will be able to nominate up to four persons. The legislative changes required for it has gone past the approval stage of both the upper and lower house of Parliament. The passage of the Banking Laws (Amendment) Bill in the Lok Sabha and Rajya Sabha will allow depositors successive or simultaneous nomination facility, while locker holders can have only successive nominations, reports said. Allowing multiple nominees in an account and locker will offer depositors more flexibility and a fuss-free asset transfer process, experts have told the media. Union finance minister Nirmala Sitharaman said account holders will shortly have the flexibility to choose between "successive" and "simultaneous" nomination. But for those who take bank lockers on rent, successive nominations will only be permitted so that there are no disputes. New nomination for lockers

Obviously the nomination facility will kick in once the account holder has expired. The nominee will act as a custodian to make transfer of funds smooth to the legal heirs. The process becomes simpler if the nominee is the legal heir (and especially the only one). While the multiple nomination facility will be a benefit by itself, it is also expected to address a macro problem which the economic policymakers are grappling with unsuccessfully for many years now.

At the end of FY24, the amount of unclaimed deposits in banks reached Rs 78,213 crore — a big 26% jump from the FY23 figure of Rs 62,225 crore. One of the reasons of unclaimed deposits is that often nominees mentioned in bank records are hard to find, while some have moved abroad or to other cities and don't have the time or inclination to visit a bank to claim the funds. By allowing multiple nominees, the chance of this money remaining with the banks even after the death of the account holder could go down swiftly.

## RCap lenders withdraw petition against IndusInd International at NCLAT

**New Delhi.** Lenders of debt-ridden Reliance Capital have withdrawn petition filed against IndusInd International Holdings Ltd (IIHL) before appellate tribunal NCLAT. The Committee of Creditors (CoC) of Reliance Capital has informed NCLAT that the resolution plan was completely implemented by IIHL with the transfer of complete payment amounts in terms of the resolution plan. The CoC sought permission of the National Company Law Appellate Tribunal to withdraw its appeal filed against the NCLAT order, in consideration of the completion of the implementation of the resolution plan by IIHL.

ALSO READ: IIHL completes acquisition of RCap; mgmt transfer to take place on Wed. While allowing CoC's application for withdrawal, NCLAT noted counsel appearing for the administrator as well as IIHL had no objection towards this. "In the circumstances, the said application stands allowed. Accordingly, the appeal is disposed of as withdrawn. Pending applications, if any, are also disposed of," said a two-member bench comprising Justice Yogesh Khanna and Ajai Das Mehrotra in its order passed on March 24, 2025. IIHL had emerged as the successful resolution applicant with the highest bid of Rs 9,650 crore in April 2023 for acquiring the troubled financial services firm under the Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) of the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). However, in terms of the resolution plan and plan approval order, the resolution plan was required to be implemented by IIHL on or before May 27, 2024. This timeline was extended till August 10, 2024. "During the extended period, steps were taken by IIHL, with cooperation from the Administrator of the Corporate Debtor (RCap) and the CoC towards implementation of the resolution plan and a process note capturing the implementation steps was submitted by IIHL.

# ATS Homekraft sells 400 plots for ₹1,200 cr in Yamuna Expressway project

## The company will develop a 63-acre plotted development project, 'Province D Olympia' on Yamuna Expressway

**New Delhi.** Real estate company ATS Homekraft has sold around 400 residential plots for more than Rs 1,200 crore in its new project on Yamuna Expressway on strong consumer demand. The company will develop a 63-acre plotted development project, 'Province D Olympia' on Yamuna

Expressway, near the upcoming Noida International airport in Jewar, Uttar Pradesh. "We have launched first phase of a 63-acre project comprising around 400 plots. We received a tremendous response from the customers and all plots have been sold out," ATS Group MD Udaivir Anand said. He said the plots were sold in a price range of Rs 2-4 crore. Anand said the company would launch the second phase comprising around 200 plots at a later stage. This project is part of a large 100-acre township, with 35 per cent of green area. In this township, ATS has already developed and handed over a group housing project 'ATS Allure' with over 1,100 apartments. Going forward, Anand said the company plans to develop serviced apartments and high street retail project in this township.

Talking about the overall ATS Group, Anand said, "We have completed and delivered over 4,000 homes across Noida, Gurugram and Chandigarh in the last 30 months." He said the company is focusing on completing ongoing projects, payment



of land dues and reduction of bank loans. Anand said the company will be launching more housing projects in Delhi-NCR in the next fiscal to monetise its land bank. He said the housing demand continues to be strong. In October, ATS Homekraft sold

entire around 340 luxury homes in first phase of its project 'Sanctuary 105' on Dwarka Expressway, Gurugram for Rs 825 crore. The second phase will be launched this year comprising around 400 flats.

## RBI allowing banks to charge for ATM withdrawals 'institutionalised extraction': TN CM Stalin

The DMK chief said that the move will make people withdraw more than they need and in particular, negate the objectives of financial inclusion of the poor.



**CHENNAI.** Tamil Nadu Chief Minister M.K. Stalin on Sunday flayed the RBI's decision allowing banks to charge for ATM withdrawals beyond the monthly limit and said this will make people withdraw more than they need and alleged "this is not digitisation, it is institutionalised extraction." Stalin said that the union government urged everyone to open bank accounts and then came demonetisation, pitching

digital India. In a social media post, he said, "What followed? Charges on digital transactions, penalties for low balances and now the RBI has allowed banks to charge up to Rs 23 for ATM withdrawals beyond the monthly limit. This will make people withdraw more than they need and in particular, negate the objectives of financial inclusion of the poor.

Beneficiaries of MNREGA, which is already starved of funds and the poor who benefit from our KMUT (Kalaigarn Magalir Urimai Thogai scheme of Tamil Nadu government, the Rs 1,000 monthly assistance to women beneficiaries) cash transfers will be the ones who will be hit the hardest. This is not digitisation. It is institutionalised extraction.

## Post Office Savings Schemes: Govt Announces Interest Rates For PPF And Sukanya Samridhi Yojana For April-June 2025- Details Here

**New Delhi.** Small Savings Schemes Interest Rates: The central government has announced that the interest rates on small savings schemes for the April-June quarter of the FY 2025-26 remain unchanged. These schemes, commonly referred to as post office savings schemes, will continue to offer the same returns as in previous quarters. This announcement has been made through a circular issued by the Department of Economic Affairs under the Ministry of Finance on March 28, 2025. This marks the fifth consecutive quarter where the interest rates on popular schemes such as the Public Provident Fund (PPF) and National Savings Certificate (NSC) remain unchanged. As per the circular, the interest rates applicable from April 1, 2025, are as follows: Public Provident

Fund (PPF) at 7.1 per cent, National Savings Certificate (NSC) at 7.7 per cent, Senior Citizen Savings Scheme (SCSS) at 8.2 per cent, and Sukanya Samridhi Yojana (SSY) at 8.2 per



cent. Sukanya Samridhi Yojana Interest Rate: This scheme will continue to offer an interest rate of 8.2 per cent for the April-June quarter of FY 2025-26. Meanwhile, the interest rate on a three-year fixed deposit

remains unchanged at 7.1 per cent. Senior Citizen Savings Scheme: The Senior Citizen Savings Scheme (SCSS), which provides a secure savings option for senior citizens, will also retain its 8.2 per cent interest rate, ensuring competitive returns.

RD Interest Rate: The five-year Recurring Deposit (RD) will maintain its existing interest rate of 6.7 per cent for the first quarter of FY 2025-26.

No Change In Interest Rate The last revision in interest rates for post office savings schemes was made during the January-March quarter of FY 2023-24. The rates have remained steady across all small savings schemes since April 2024. However, the government notifies the interest rates on small savings schemes every quarter.

## Market Outlook: US Tariff, PMI, FIIs And Global Economic Data Key Triggers For Next Week

**New Delhi.** The market outlook for next week will be guided by several domestic and global economic factors such as PMI and FIIs data, auto sales and Key US economic data, including the Composite PMI and Initial Jobless Claims. On the domestic front, auto sale data will be released by auto companies from Monday and India's HSBC Composite PMI data for March is set to be released on Friday. On the global front, markets will be driven by India-US tariff policy developments, the impact of US President Donald Trump's announcement of a 25 per cent tariff on finished vehicle imports effective April 3 and US Fed Chair Powell's Speech. Further, many important economic data, including US job openings, US non-farm payrolls, and US unemployment rate, will be released next week. Last week, the Indian stock market closed with gains. Nifty and Sensex rose by about 0.70 per cent to close at 23,519.35 and 77,414.92. The rally was led by banking stocks. Bank Nifty closed at 51,564.81, up nearly 2 per cent. On a sectoral basis, Nifty PSE and FMCG indices were the top gainers, while media and pharma indices were the top losers.

Foreign investors continued their buying spree last week as well. Between March 24 and 28, foreign



institutional investors (FIIs) invested Rs 17,426 crore. Whereas domestic institutional investors (DIIs) invested Rs 6,797 crore in equities. The Nifty closed 6.3 per cent higher in March, reversing the previous month's decline and closed on a strong positive note, supported by consistent foreign inflows. Indian stock markets will remain closed on March 31 on account of Eid.

Puneet Singhania, Director at Master Trust Group, said, "For Nifty, strong support is placed at 23,300, and if breached, the index could decline toward 23,000. On the upside, resistance is seen at 23,800, and a breakout above this level could drive Nifty towards 24,100, potentially extending the rally.

# India Aims Rs 3 Lakh Cr In Defence Production By 2029 With Rs 50,000 Cr In Exports

India now exports defence equipment to over 100 countries, with the US, France and Armenia emerging as the top buyers in 2023-24.



**New Delhi.** The government on Saturday said it aims to achieve Rs 3 lakh crore in defence production by 2029, reinforcing the country's position as a global defence manufacturing hub. About 65 per cent of defence equipment is now manufactured domestically, a significant shift from the earlier 65-70 per cent import dependency. A robust defence industrial base includes 16 DPSUs, over 430 licensed companies, and approximately 16,000 MSMEs, strengthening indigenous production

capabilities, according to a statement by Ministry of Defence. "The private sector plays a crucial role, contributing 21 per cent to total defence production, fostering innovation and efficiency," it added. The government said it aims to reach Rs 50,000 crore in defence exports by 2029, reinforcing India's role as a global defence

manufacturing hub while boosting economic growth. Defence exports surged by 32.5 per cent year-on-year, rising from Rs 15,920 crore in FY 2022-23 to Rs 21,083 crore in FY 2023-24. Defence exports have grown 21 times, from Rs 4,312 crore in the 2004-14 decade to Rs 88,319 crore in the 2014-24

decade, highlighting India's expanding role in the global defence sector. India now exports defence equipment to over 100 countries, with the US, France and Armenia emerging as the top buyers in 2023-24. Moreover, the Ministry of Defence said it has signed a record 193 contracts in 2024-25, with the total contract value surpassing Rs 2,09,050 crore, nearly double the previous highest figure. Of these, 177 contracts, accounting for 92 per cent, have been awarded to the domestic industry, amounting to Rs 1,68,922 crore, which is 81 per cent of the total contract value.

This significant focus on indigenous manufacturing aligns with the vision of self-reliance in defence production, boosting local industries and generating employment across the sector. In FY24, the value of defence production surged to a record high of Rs 1,27,434 crore, marking an impressive 174 per cent increase from Rs 46,429 crore in 2014-15, according to data from all Defence Public Sector Undertakings (DPSUs), other public sector units manufacturing defence items, and private companies.



# Doctor registrations, MBBS internships delayed at Delhi Medical Council due to absence of registrar

**Doctors seeking a No-Objection Certificate (NOC) to either migrate out of Delhi or pursue further studies abroad are in limbo, unable to proceed without the council's approval.**

NEW DELHI. Hundreds of doctors in Delhi are caught in a web of administrative chaos as the Delhi Medical Council (DMC) struggles with financial irregularities, unlawful appointments, and a leadership vacuum. The absence of a Registrar has brought the council's operations to a standstill, leaving a growing number of medical professionals unable to complete necessary procedures to start or continue their careers. One of the most pressing issues is the delay in the registration of MBBS graduates who are unable to obtain the registration required to begin their practice.

Medical students from other states wishing to practice in Delhi are also stuck, as they cannot receive the permanent registration needed to work. The undergraduates are also affected as they cannot get provisional

certificates required for internship which are issued by the registrar. Additionally, doctors seeking a No-Objection



Certificate (NOC) to either migrate out of Delhi or pursue further studies abroad are in limbo, unable to proceed without the council's approval.

Dr Vrishank Gupta, a recent graduate from NDMC Medical College, is among those affected. Having completed his verification process

earlier, he is still waiting for his permanent registration number so he can apply for a job in a hospital. "I completed all my paperwork and verification earlier, but still haven't received my permanent registration. Without it, I can't join my junior residency, and I won't be able to practice even if I find a job," he shared. Dr Naresh Chawla, Vice-President of the DMC, acknowledged the growing crisis, revealing that around 300 to 400 applications for registration and NOCs are currently pending. "We receive numerous applications daily, and they can only be processed by the Registrar. Without someone in that role, the council is unable to function properly," he said.

Chawla attributed the delay in the appointment to the government. "We submitted a list of potential candidates for the Registrar position earlier this month, but the government has yet to make a decision. At least they should appoint someone temporarily to ensure the DMC's operations don't come to a complete halt," he added.

## Delhi Zoo's Summer Plan: "Fruit Ice Cubes", Sprinklers To Keep Animals Cool

**From April 1, all 'summer action plan' measures will be implemented to provide the animals with comfort during the heat, Zoo Director Sanjeev Kumar said.**

New Delhi. Animals at the Delhi zoo will get a cool treat--"fruit ice cubes"--while water sprinklers will be installed for tigers, lions, leopards, and jackals to help them beat the heat during the summer season. From April 1, all 'summer action plan' measures will be implemented to provide the animals with comfort during the heat, Zoo Director Sanjeev Kumar said. From air coolers in enclosures and frequent water showers to shaded resting areas and running water in pools, the zoo will take various measures to keep the animals comfortable this summer.

The National Zoological Park will roll out a series of summer care measures to ensure the well-being of animals, Sanjeev Kumar said.

Sanjeev Kumar added that the Delhi zoo has devised a structured plan for different animal species, ensuring their comfort during the peak summer months. The measures include continuous running water in pools for carnivores, herbivores, and reptiles, along with sprinklers and shaded areas to prevent overheating.



In carnivore enclosures, water pools will be kept filled and shaded, while sprinklers will be installed for tigers, lions, leopards, and jackals. The zoo will also set up water coolers in holding cells and adjust the animals' diet to lighter, summer-friendly meals. Herbivores, including sambar deer, nilgai, blackbucks, and elephants, will receive frequent showers. Similarly, rhinos will be bathed twice daily to keep them cool.

The capital recently recorded its hottest day in March in the last three years, with the mercury reaching 38.9 degrees Celsius, according to the IMD. For primates, air coolers have been placed in their enclosures, and special fruit ice balls are being prepared daily to provide them hydration and nutrition. Reptile enclosures are also being kept cool with shaded areas and wet gunny bags for snakes, officials said. Meanwhile, bird enclosures are being equipped with side-wall curtains, water sprinklers, and larger earthen pots to ensure a steady supply of cool drinking water. Emus and ostriches are getting regular baths, and delicate species like pheasants have been provided with gunny bags that are kept damp to maintain a cooler environment.

Bears, which are highly sensitive to heat, will be kept in shaded feeding cells during extreme temperatures, with large ice blocks provided for relief. Their moats are cleaned and refilled daily, and they are also given fruit ice cubes to help them stay hydrated. Apart from these species-specific measures, the zoo has installed thermometers in key enclosures to monitor temperature fluctuations. Seasonal fruits like watermelon, cucumber, and coconut water have been incorporated into the diets of primates, bears, and herbivores to provide extra hydration. "As temperatures continue to rise, our priority is to keep the animals comfortable and safe. We have deployed additional measures this year to ensure they are well-hydrated and protected from the heat," said a senior zoo official.

## Ex-Bihar minister, 4 others get 3-year jail term in Bitumen scam case

**A CBI court in Ranchi sentenced ex-Bihar minister Md Illiyas Hussain, four others to three years in jail and fined each Rs 32 lakh in the Bitumen scam case.**

New Delhi. A CBI special court in Ranchi has sentenced former Bihar minister Md Illiyas Hussain and four others to three years of rigorous imprisonment in connection with the much-discussed Bitumen scam case. The court also imposed a fine of Rs 32 lakh on each convict. The case dates back to August 6, 1996, when an FIR was registered based on a complaint, leading to an investigation under multiple sections of the IPC, including criminal conspiracy (120B), cheating (420), forgery (467, 468, 471, 474), and criminal breach of trust (409), along with provisions of the Prevention of Corruption Act, 1988. The CBI took over the probe and

registered the case as RC No. 11(A)/1997-D. The scam involved the alleged transportation of bulk bitumen



from Haldia to the Road Construction Department (RCD) in Hazaribagh via

Barauni. However, investigations revealed that no bitumen was transported at all. Instead, the transporter lifted the bitumen from Haldia, sold it on the open market in Kolkata, and fraudulently claimed transportation charges.

Alongside Md. Illiyas Hussain and other convicted individuals include Shahabuddin Baigh, Pawan Kumar Agarwal, Ashok Kumar Agarwal, and Vinay Kumar Sinha.

The charges against them were framed under sections 120B, 407, 409, 420, 468, and 471 of the IPC, as well as section 13(2) read with section 13(1)(d) of the Prevention of Corruption Act, 1988.

## Delhi flat owner arrested after woman's body found in bed box, husband on the run

**The police stated that both arrested accused are trying to mislead the investigation, adding that the motive for the murder will only become clear after the husband is caught.**

New Delhi. A day after the decomposed body of a woman was found stuffed inside a bed box in an east Delhi flat, the police arrested the landlord and another individual, an aide of the victim's husband, under relevant sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita for murder.

According to the police, the husband remains untraceable since the incident. One of the accused, Vivekanand Mishra, the landlord, was taken into police custody on Friday and arrested on Saturday.

During interrogation, he admitted to the crime and revealed the involvement of two others -- the husband's aide, Abhay Kumar, and the husband, who is still at large.

The police stated that both accused are trying to mislead the investigation, adding that the motive for the murder



will only become clear after the husband is caught.

On Friday, the Delhi Police received a PCR call from Vivek Vihar with complaints of foul smell coming from one of the DDA flats. After reaching the site, the police found the house locked from outside and found traces of blood near the back door.

Upon entering, they found a decomposed body inside a bag, wrapped in a blanket, and placed

inside the bed box.

On Friday night, the police traced the 65-year-old owner of the house near Surajmal Park in Anand Vihar and subsequently detained him.

Shedding light on the case, the police said that the 35-year-old victim, Anjali, caught her husband in a compromising position with the other two accused in their Delhi flat, reported news agency PTI. On discovering her husband's affair, the woman left for her parents' place in Punjab's Ludhiana, reported PTI, citing the police official.

On March 21, Anjali's husband, Ashish, brought her back to Delhi from Ludhiana. Two days later, Ashish, along with his aide and landlord, murdered her, stuffed her body inside a bed box and ran away to Jaipur, where they stayed at the house of Abhay's cousin.

# Who Is Sujata Karthikeyan, Top Odisha IAS Officer Who Got Early Retirement

New Delhi. Senior Odisha cadre IAS officer Sujata Karthikeyan has taken voluntary retirement, after the Centre approved her application, instructing the Odisha government to issue the necessary notification. On March 13, 2025, the Central Government officially approved her request for voluntary retirement, waiving the mandatory three-month notice period.

**Who Is Sujata Karthikeyan:**

Ms Karthikeyan, a 2000-batch IAS officer, graduated in Political Science from Lady Shri Ram College, Delhi University. She later obtained a Master's Degree in International Politics from Jawaharlal Nehru University (JNU).

Ms Karthikeyan's career began in the Maoist-affected Sundargarh district of Odisha, where she spearheaded several social initiatives. In 2005, she launched a bicycle distribution scheme for high school girls under the motto 'Mobility is Empowerment.' In 2006, she introduced eggs into the Mid-Day Meal (MDM)

scheme in Sundargarh. Instead of increasing dal or oil quantities, eggs were added to students' meals. This initiative was later scaled up across the state.

Ms Karthikeyan was also known as the "Football Collector" in Sundargarh. She promoted sports, particularly football and hockey, among youth in Maoist-prone areas, distributing equipment and setting up hostels for aspiring athletes.

One of Ms Karthikeyan's most notable contributions was her leadership of 'Mission Shakti,' Odisha's flagship women's empowerment programme. Under her guidance, the programme grew to support 70 lakh women, with credit linkages for women's self-help groups

(SHGs) increasing from Rs 500 crore to Rs 15,000 crore over seven years. As the first woman Collector of Cuttack district, Ms Karthikeyan launched the 'Mamta' scheme, a conditional cash transfer programme for pregnant women.



During her brief tenure as Secretary of Culture, Ms Karthikeyan played a key role in organising the first World Odia Language Conference in Bhubaneswar.

Before her retirement, Ms Karthikeyan served as Special Secretary in Odisha's Finance Department.

In May 2024, the Election Commission ordered Ms Karthikeyan's transfer from her role as Commissioner-cum-Secretary of Mission Shakti, citing allegations of office misuse. Following the BJD's defeat, she took six months of leave, which was later denied an extension by the state's BJP-led government.

She is married to VK Pandian, a former bureaucrat-turned-politician and close aide of ex-Chief Minister Naveen Patnaik. Mr Pandian also took voluntary retirement in 2023 to join the Biju Janata Dal (BJD). He later withdrew from active politics following the BJD's electoral defeat in 2024.

## Forest guard assaulted by locals over attempt to molest 12-year-old in Odisha

New Delhi. After being accused of trying to molest a 12-year-old girl in the Rayagada district of Odisha on Friday, a forest guard was taken into custody. The incident allegedly occurred around 11:00 AM as the minor was on her way home from school. As per reports, the accused, identified as Narasingha Satapathy, attempted to lure her into his house with malicious intent. However, the situation escalated when the victim's younger sister, who was present, raised an alarm and ran to inform their family. The girl's relatives swiftly intervened, rescuing her and notifying the villagers.

Enraged by the incident, the locals assaulted the accused before handing him over to the authorities. Police arrived promptly, arrested the accused, and transported him to the Padmapur police station for questioning.

The victim's mother recounted the harrowing ordeal, saying, "My daughter had gone to school in the morning and was returning home when the forester tried to rape her. He dragged her into his room and molested her. However, her sister, who was with her, cried for help, and fellow villagers rushed to her rescue." Rayagada Superintendent of Police confirmed the arrest and provided an update on the case. "The matter is under investigation. We are collecting evidence from different angles. A minor girl has filed a complaint at Padmapur police station regarding the incident. We have arrested the forester after receiving the complaint and are interrogating both parties to ascertain the facts," the SP said.

## Government hospital to charge Rs 1,000 for body packing, Rs 1,800 for virtual consultation

NEW DELHI. Patients at the Institute of Liver and Biliary Sciences (ILBS), an autonomous hospital under the Delhi Government, will now have to bear additional expenses for various essential services that were previously free or lower in cost.

The revised charges, which come into effect from February 27, are expected to significantly increase the financial burden on patients, many of whom come from underprivileged backgrounds. According to the official



order, ILBS has introduced a Rs 1,000 charge for body packing (mortality services), a fee that families must now pay if a patient dies during treatment.

The hospital will also charge Rs 1,000 for an extra attendant (GDA) staying in private and suite wards for an 8-hour night shift. In critical care, infusion pump charges have been introduced, with ICU patients required to pay Rs 500 per day, HDU patients Rs 300 per day, and ward patients Rs 200 per day. Additionally, nebulisation will cost Rs 100 per episode, and tube feeding will be charged at Rs 100 per instance.

Basic medical services will also see a price hike. USG screening charges have increased from Rs 385 to Rs 450. The cost of oxygen and medical gases is now Rs 250 for half a day and Rs 500 for a full day. Even dietary consultations have become more expensive, with OPD dietician charges increasing from Rs 100 to Rs 250.

Patients seeking medical records upon admission will now have to pay Rs 300, a service that was previously free. Meanwhile, the fee for virtual OPD consultations has been raised from Rs 400 to Rs 600, and virtual consultation packages have been introduced at Rs 1,800.

## NEWS BOX

**\$3,55,796 limo from Putin's fleet explodes into fireball on Moscow street**

**world.** An Aurus limousine, believed to be part of Vladimir Putin's official car fleet, exploded and caught fire on a Moscow street near the FSB secret service headquarters. Footage of the incident appears to show \$3,55,796 Aurus Senat engulfed in flames, with the fire spreading from the engine to the interior. The vehicle reportedly belonged to the Kremlin's Presidential Property Management Department, but it remains unclear who was inside it or what caused the sudden blaze on Sretenka Street. There were no reported injuries or fatalities, Daily Express reported. Some people on social media, however, said that the limo was not among Putin's fleet cars. The 72-year-old Russian President often uses Russian-made Aurus vehicles and has gifted them to foreign leaders, including North Korea's Kim Jong-un. The incident is likely to heighten Kremlin concerns over assassination plots. Earlier this year, the Kremlin warned that any attempt on Putin's life would trigger a nuclear response. Russian Parliament Speaker Vyacheslav Volodin called such discussions a "serious threat to global security." Ukraine's military intelligence chief, Kyrylo Budanov, has claimed multiple assassination attempts on Putin have been made. The explosion follows a series of high-profile Russian military deaths, fueling Kremlin paranoia. In December, Lieutenant General Igor Kirillov, accused of overseeing chemical warfare in Ukraine, was killed in a Moscow explosion.

**Popular Japanese chain shuts 2,000 stores after rat, cockroach found in food**

**world.** One of Japan's biggest restaurant chains, Sukiya, is temporarily closing its nearly 2,000 outlets nationwide for deep cleaning after a rat and a cockroach were found in customers' food. Sukiya is a Japanese beef-bowl restaurant operator. Last weekend, the restaurant operator admitted that a rat had been discovered in a bowl of miso soup in January. In a statement, the chain apologised and said most of its sites would be shut between March 31 and April 4 "to prevent external intrusion and internal infestation of pests and vermin." We are taking the situation seriously," the Tokyo-based company said in a statement. Some outlets such as those in shopping malls will be open for customers, BBC reported. Rumours about the rat-in-miso incident had been circulating on social media for weeks before Sukiya was forced to confirm that the rodent had been found "before it was eaten". The chain initially temporarily closed the restaurant where the rat was found and said measures had been taken to address cracks in the building that could lead to contamination. It then announced that all of its outlets would be regularly checked for gaps and rubbish would be refrigerated. Sukiya is part of Zensho Holdings, which owns a number of restaurant chains in Japan. Last Monday, following the disclosure about the rat, its share price tumbled before recovering later in the week. Its shares will face scrutiny after Saturday's announcement.

**Hamas agrees to release 5 hostages under new ceasefire deal, Israel counters**

**Cairo.** Hamas has agreed to a Gaza ceasefire proposal it received two days ago from mediators Egypt and Qatar, the Palestinian militant group's chief said on Saturday. "Two days ago, we received a proposal from the mediators in Egypt and Qatar. We dealt with it positively and accepted it," Khalil al-Hayya said in a televised speech. "We hope that the (Israeli) occupation will not undermine (it)," said Hayya, who leads the Hamas negotiating team in indirect talks aimed at securing a ceasefire in the Hamas-Israel war in Gaza that erupted in October 2023. Security sources told Reuters on Thursday that Egypt had received positive indications from Israel over a new ceasefire proposal that would include a transitional phase. The proposal suggests Hamas release five of the Israeli hostages it is holding each week, the sources said. The Israeli prime minister's office said it had held a series of consultations according to the proposal that was received from the mediators, and that Israel had conveyed to the mediators a counter-proposal in full coordination with the United States. Reuters asked the prime minister's office if it had also agreed to the ceasefire proposal but it did not immediately respond.

## PHASED CEASEFIRE

The first phase of the ceasefire between Israel and Hamas went into force on Jan. 19 after 15 months of war and involved a halt to fighting, the release of some of the Israeli hostages held by Hamas, and the freeing of some Palestinian prisoners. Phase two of the three-phase deal is intended to focus on agreements on the release of the remaining hostages and the withdrawal of Israeli troops from Gaza. Hamas says any proposals must allow the launch of the second phase, while Israel has offered to expand the first 42-day phase. In response to calls on Hamas to disarm by Israel and the United States, Hayya said the group's arsenal was a red line and that it would not disarm as long as the "Israeli" occupation exists.

Israel and the US say Hamas must not have a role in post-war Gaza arrangements. Israeli military strikes on Gaza continued on Saturday, killing at least 20 Palestinians across the enclave, health authorities said. The Israeli military said it had begun "ground activity" in the Jneina neighbourhood of the Rafah area to expand what it described as the security zone in southern Gaza. On March 18, Israel resumed bombing and ground operations in Gaza, which it said were intended to increase pressure on Hamas to free hostages.

**Honk if you hate Elon Musk: Protesters target Tesla showrooms across US, Europe**

**San Francisco.** Crowds protesting billionaire Elon Musk's purge of the US government under President Donald Trump began amassing outside Tesla dealerships throughout the US and in some cities in Europe on Saturday in the latest attempt to dent the fortune of the world's richest man. The protesters are trying to escalate a movement targeting Tesla dealerships and vehicles in opposition to Musk's role as the head of the newly created Department of Government Efficiency, or DOGE, where he has gained access to sensitive data and shuttered entire agencies as he attempts to slash government spending. The biggest portion of Musk's estimated \$340 billion fortune consists of his stock in the electric vehicle company, which continues to run while also working alongside Trump. After earlier demonstrations that were somewhat sporadic, Saturday marked the first attempt to surround all 277 of the automaker's showrooms and service centers in the US in hopes of deepening a recent decline in the company's sales. By early afternoon crowds

ranging from a few dozen to hundreds of protesters had flocked to Tesla locations in New Jersey, Massachusetts, Connecticut, New York, Maryland, Minnesota and the automaker's home state of Texas. Pictures posted on social media showed protesters brandishing signs such as "Honk if you hate Elon" and "Fight the billionaire brologarchy." As the day progressed, the protests cascaded around the country outside Tesla locations in major cities such as Washington, Chicago, Indianapolis, Cincinnati and Seattle, as well as towns in Virginia, Pennsylvania and Colorado. Smaller groups of counterprotesters also showed up at some sites. Hey, hey, ho, ho, Elon Musk has got to go!" several dozen people chanted outside a showroom in Dublin, California, about 35 miles (60 miles) east of San Francisco, while a smaller cluster of Trump supporters waved American flags across the street. A much larger crowd circled another showroom in nearby Berkeley, chanting slogans to the



beat of drums. "We're living in a fascist state," said Dennis Fagaly, a retired high school teacher from neighboring Oakland, "and we need to stop this or we'll lose our whole country and everything that is good about the United States."

**ANTI-MUSK SENTIMENT EXTENDS BEYOND THE US**

The Tesla Takedown movement also hoped to rally protesters at more than 230 locations in other parts of the world. Although the turnouts in Europe were not as large, the

anti-Musk sentiment was similar. About two dozen people held signs lambasting the billionaire outside a dealership in London as passing cars and trucks tooted horns in support. One sign displayed depicted Musk next to an image of Adolf Hitler making the Nazi salute—a gesture that Musk has been accused of reprising shortly after Trump's Jan. 20 inauguration. A person in a Tyrannosaurus rex costume held another sign with a picture of Musk's straight-arm gesture that said, "You thought the Nazi: were extinct. Don't buy a Swasticear. We just want to get loud, make noise, make people aware of the problems that we're facing," said Cam Whitten, an American who showed up at the London protest. Tesla Takedown was organized by a group of supporters that included disillusioned owners of the automaker's vehicles celebrities such as actor John Cusack, and at least one Democratic Party lawmaker Rep. Jasmine Crockett from Dallas. "I'm going to keep screaming in the halls of Congress."

**Is Elon Musk planning to quit DOGE amid Tesla crisis Here's what he said**

**Elon Musk is planning to step down from the Department of Government Efficiency by late May, citing progress in deficit reduction, as Tesla faces protests, stock declines, and legal challenges.**

expenditures down to approximately USD 6 trillion. In an interview on Fox News, Musk also claimed that his team had been slashing waste and fraud at an



**world.** Amid mounting backlash against his electric vehicle company, Tesla, billionaire Elon Musk hinted at stepping down from the Department of Government Efficiency (DOGE) of the US government by late May this year. Musk, classified as a special government employee (SGE), serves on a temporary basis, limited to 130 days within any 365-day period. The billionaire entrepreneur, who was appointed as a special advisor to President Donald Trump, spearheaded an aggressive government spending reduction program that brought federal

average rate of "USD 4 billion a day" and had nearly achieved their primary objective within 130 days. "I think we will accomplish most of the work required to reduce the deficit by a trillion dollars within that timeframe," he said. Defending DOGE's budget cuts—which have sparked protests and legal challenges across the United States—Musk dismissed criticism that the department was acting recklessly. "They may characterize it as shooting from the hip, but it is anything but that," he said. "Which is not to say that we don't make mistakes." The DOGE team,

comprising of Musk and seven senior advisors—Aram Moghaddasi, Steve Davis, Brad Smith, Anthony Armstrong, Joe Gebbia, Tom Krause, and Tyler Hassen—has focused on eliminating inefficiencies across federal agencies. According to department estimates, their efforts, including workforce reductions, asset sales, and contract cancellations, have saved US taxpayers USD 115 billion as of March 24.

"The government is not efficient, and there is a lot of waste and fraud," Musk said, asserting that a "15 percent reduction" in federal spending

could be achieved without jeopardising critical services. He remained confident that America's financial outlook was improving, stating, "America will be solvent. The critical programs that people depend upon will work, and it's going to be a fantastic future. And are we going to get a lot of complaints along the way? Absolutely." Musk's announcement coincided with a turbulent period for Tesla, which has been grappling with nationwide protests, stock declines, and reports of vandalism targeting company facilities.

**Taliban frees US woman detained in Afghanistan since February**

**Hall was received at the Qatari embassy in Kabul and confirmed to be in good health after undergoing a series of medical checks.**

**UPDATED.** An American citizen detained in Afghanistan last month by the Taliban administration has been released, former US Ambassador to Afghanistan and Iraq Zalmay Khalilzad said on Saturday. "American citizen Faye Hall, just released by the Taliban, is now in the care of our friends, the Qataris in Kabul, and will soon be on her way home," Khalilzad posted on X. There was no immediate comment or confirmation from the State Department. Khalilzad, also a

former U.S. Permanent Representative to the United Nations, gave no further details. He posted a picture of Hall sitting between two men. A source with knowledge of the



release said Hall, who had been detained in Afghanistan since February, was freed on Thursday following a court order and with logistical support

from Qatar in its role as the United States' protecting power in Afghanistan. Hall was received at the Qatari embassy in Kabul and confirmed

to be in good health after undergoing a series of medical checks, the source said, adding that arrangements were underway for her return to the US. Hall was arrested together with a British couple, Barbie and Peter Reynolds. British media reported that the couple, in their seventies, had been running projects in schools in Afghanistan for 18 years, deciding to stay even after the Taliban seized power. Khalilzad's post made no mention of the couple, whose family has pleaded for their release amid concerns over their health.



deployed a search and rescue team along with a medical unit, providing essential supplies such as blankets, tarpaulins, hygiene kits, sleeping bags, solar lamps, food packets, and kitchen sets. A 37-member team from China's Yunnan province arrived in Yangon, carrying emergency relief supplies, including life detectors, earthquake early warning systems, and drones. The team has been dispatched to assist with disaster relief and medical treatment efforts. Strong tremors were also felt in southwest China's Yunnan province bordering Myanmar. The powerful earthquake also rocked neighbouring Bangkok, killing 6, along with 22 people injured and 101 missing.

Russia's Emergencies Ministry deployed two aircraft loaded with 120 rescuers and essential supplies, state news agency TASS reported. Myanmar's military-led government has declared a state of emergency in six regions and states, including the capital Naypyitaw and Mandalay, following the powerful earthquake and a strong aftershock near the country's second-largest city.

**Trump open to military force to take over Greenland after Danish minister's rebuke**

**After the Danish foreign minister criticised the Trump administration for its "tone" in criticizing Denmark and Greenland, the US President, in an interview with Fox News, hinted at the possibility of using military force to annex Greenland if necessary.**

**world.** The Danish foreign minister on Saturday scolded the Trump administration for its "tone" in criticising Denmark and Greenland, saying his country is already investing more into Arctic security and remains open to more cooperation with the US. Foreign Minister Lars Lokke Rasmussen made the remarks in a video posted to social media after US Vice President JD Vance's visit to the strategic island. Later Saturday, though, US

President Donald Trump maintained an aggressive tone, telling NBC News that "I never take military force off the table" in regards to acquiring Greenland. "Many accusations and many allegations have been made. And of course we are open to criticism," Rasmussen said speaking in English. "But let me be completely honest: we do not appreciate the tone in which it is being delivered. This is not how you speak to your close allies. And I still consider Denmark and the United States to be close allies." Greenland is a territory of Denmark, which is a NATO ally of the United States. Trump wants to annex the territory, claiming it's needed for national security purposes. In Saturday's interview, Trump allowed that "I think there's a good possibility that we could do it without military force." "This is world peace, this is international security," he said, but added: "I don't take anything off the table." Trump also said "I don't care" when asked in the NBC interview what message it would send to Russian President Vladimir Putin,



who is trying to solidify his hold on Ukrainian territory three years after his invasion. Vance on Friday said Denmark has "underinvested" in Greenland's security and demanded that Denmark change its approach as Trump pushes to take over the Danish territory.

Vance visited US troops on Pituffik Space Base on mineral-rich Greenland alongside his wife and other senior US officials for a trip that was ultimately scaled back after an

uproar among Greenlanders and Danes who were not consulted about the original itinerary. "Our message to Denmark is very simple: You have not done a good job by the people of Greenland," Vance said Friday. "You have underinvested in the people of Greenland, and you have underinvested in the security architecture of this incredible, beautiful landmass filled with incredible people. That has to change." Trump on Friday released a video on his social networking site Truth Social entitled "America Stands With Greenland," showing footage of US troops there during World War II. In Greenland, Vance said the US has "no option" but to take a significant position to ensure the security of the island as he encouraged a push in Greenland for independence from Denmark. "I think that they ultimately will partner with the United States," Vance said. "We could make them much more secure."

## NEWS BOX

## DC vs SRH, pitch, weather report IPL 2025: Sunny conditions for high-scoring contest

New Delhi . Delhi Capitals will welcome Sunrisers Hyderabad to the Dr. Y.S. Rajasekhara Reddy ACA-VDCA Cricket Stadium in Visakhapatnam for an exciting IPL 2025 clash on Sunday, March 30. DC are looking to build on their thrilling win against Lucknow Super Giants while SRH are looking to bounce back from their loss to the Rishabh Pant-led side. Both teams have been part of high-scoring matches so far and the batters will once again be in prime focus in the first game of the double-header on Sunday. The good news for Delhi is that KL Rahul is back with the squad after missing the first game as he went home for the birth of his daughter. Rahul is expected to come in and provide balance to the middle order, which showed signs of vulnerability against LSG. There is also a chance T. Natarajan will make his DC debut against his former side. SRH will be looking to get back into the groove after a loss at their home ground. Vizag is more or less home for the Pat Cummins-led side, who will look to thrill the Orange Army once again. With explosive batting on both sides, we can expect a thriller once again. DC vs SRH: Predicted Playing



## XI, fantasy picks

## DC vs SRH IPL 2025: Vizag pitch report

The Vizag pitch has shown to favour batters more and we can expect the same on Sunday. Despite this, the spinners will have a major role to play as the track is expected to assist them as the game wears on. Last game, we saw this in the second innings as DC struggled early on against LSG spinners.

DC vs SRH IPL 2025: Vizag weather forecast Well, the good news is that no rain is expected on Sunday. So we should get a full game between DC and SRH. The temperature at 3 pm IST, the time of the toss, is 31 degree Celsius, and it is expected to drop to 29 by the time the game is finished.

## IPL 2025, RR vs CSK predicted XI, fantasy picks: Players who can fetch you most points

New Delhi . Matches are coming thick and fast for Chennai Super Kings as they travel to Guwahati to face Rajasthan Royals. CSK were hammered at home by Royal Challengers Bengaluru, as they were completely outplayed by their rivals in all departments, and this might prompt Chennai to make some changes to their playing XI.

Rajasthan, on the other hand, haven't been up to the mark this season as they continue to cope up with the departure of key players like Jos Buttler and Yuzvendra Chahal. Rajasthan gave a terrible account of themselves with the bat and then failed to keep Quinton de Kock in check in the last game against KKR. Given the position that Rajasthan are in, changes are expected. They might think of bringing in Akash Madhwal, a fiery pacer in



the middle overs, who has the ability to rattle the batters. CSK vs RR: Predicted Playing XIs

## CSK Predicted Playing XI

Ruturaj Gaikwad, Devon Conway, Rachin Ravindra, Rahul Tripathi/Vijay Shankar, Shivam Dube, Ravindra Jadeja, R Ashwin, MS Dhoni, Khaleel Ahmed, Nathan Ellis, Noor Ahmad.

## Impact: Anshul Kamboj/Andre Siddharth

## RR Predicted Playing XI

Sanju Samson, Yashasvi Jaiswal, Riyan Parag, Nitish Rana, Shimron Hetmyer, Dhruv Jurel (wk), Wanindu Hasaranga, Jofra Archer, Akash Madhwal, Sandeep Sharma, Fazalhaq Farooqi

## Impact - Shubam Dubey/Kumar Kartikeya

## Top 5 Fantasy Picks From Each Team

Considering that Guwahati might be a spin-friendly wicket once again, the onus will be on top-order batters and spinners from both sides to deliver. Here are our top fantasy picks from both teams.

## Shubman Gill on black soil pitch for GT vs MI: Don't want all games to be 240-250

**Shubman Gill defended the use of the black soil pitch in Ahmedabad during the Gujarat Titans vs Mumbai Indians clash, claiming that they wanted to keep the game equal between bat and ball. GT secured their first win of the season on Saturday, March 29.**



the second innings.

New Delhi . Gujarat Titans captain Shubman Gill defended the use of the black soil pitch during the clash against Mumbai Indians on Saturday, March 29 in Ahmedabad. The Narendra Modi stadium has the option of using a red soil or a black soil pitch during matches and GT decided go with the latter one for the game against MI on Saturday. The Titans were able to restrict to Mumbai to 160 while chasing 197 runs, with the bowlers getting a lot of help off the track in

Speaking after the win, Gill said that the track suited the strengths of his side. The GT skipper said that sometimes it is important to give a cushion to the bowlers, especially with big scores becoming the norm in the IPL over the past few seasons. Gill said he wanted to make it an equal game and felt that high-scoring games are taking away the skill out of cricket. "I think each team has their own strengths and the way they like to play certain type of a cricket I think this kind of a wicket suits our batting and bowling and overall strength of

our team more than on the red soil and I think the way the game is going, you know, we see 250 to 240 runs [being scored]. We have to sometimes give those cushion for the bowler so there's something in it for the bowlers and the game is just an equal game. We just don't want all the games to be you know 240 to 250 runs. I feel if there are such high-scoring

games the skill out of cricket, it takes away from that," said Gill. "Decision to use black soil for MI clash was made before opening match" Gill said the decision to use the black soil pitch for the clash against MI was taken before the start of the season. "The decision was taken before the first match that the second match will be played on black soil.

## IPL 2025: Gujarat Titans prove too hot for Mumbai Indians

Ahmedabad. There is a reason why Gujarat Titans invested in Prasad Krishna (4-0-18-2) the bowler. The natural bounce he generates makes it difficult to hit him for boundaries, as Mumbai Indians found out the hard way on Saturday. Prasad's armoury of cutters, good-length balls and slower balls made batting difficult for Tilak Varma, Suryakumar Yadav and Hardik Pandya. The Karnataka pacer accounted for Varma and Yadav, propelling his team to a 36-run win at the Narendra Modi Stadium on Saturday.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW! After new ball bowler Mohammed

Siraj castled Rohit Sharma (8) and Ryan Rickelton (6). Varma and Yadav stitched a 62-run stand. Yadav sent Siraj and Ishant Sharma to his favourite leg-side boundary before he swept left-arm spinner R Sai Kishore for a boundary and hit him over extra cover for a maximum. However, Varma was far from fluent, and he was caught at deep midwicket by Rahul Tewatia. The promotion of impact player Robin Minz (3) failed as he ate up deliveries before being caught at short third man off Kishore. Thereafter, Hardik Pandya (11 off 17, 1x4) and Yadav failed to connect to the pace of Krishna. While Gill caught Yadav at long-off, Rabada had Pandya caught at short third man.

## Rahul Dravid on 14-year old Vaibhav Suryavanshi: RR won't be scared to play him

New Delhi . Rajasthan Royals head coach Rahul Dravid has revealed that the team is not shying away from the prospect of fielding their 14-year-old sensation, Vaibhav Suryavanshi, in the ongoing Indian Premier League (IPL) 2025 season. However, Dravid made it clear that they are prepared to give the young talent some time to acclimatise to the high-pressure environment of the tournament. As RR gear up for their crucial clash against Chennai Super Kings (CSK) on March 30, the coach emphasised that they are not planning to experiment excessively with the team's combination, especially not with the still inexperienced Vaibhav. The Royals grabbed the headlines when they secured Vaibhav Suryavanshi for Rs 1 crore during the mega auction, following his remarkable performances in domestic cricket and his contributions to the India U-19 side. The move sparked widespread excitement among fans and cricket experts, eager to see the young prodigy on the big stage. Speaking at the pre-match press conference ahead of the CSK clash, Dravid stressed the importance of timing Vaibhav's introduction to the IPL and expressed confidence that the management would not rush his debut. "He is training really well,

and he looks like a really good and exciting talent but there are other equally good players as well and part of our responsibility is to groom him well, give him a little bit of time in the environment, let him get used to it and practice with the players, let him get a feel of the environment, all these are great experiences for him, rather than putting him



straight in front of the crowd so it's a part of the process we follow in grooming a player and if an opportunity arises we won't be scared to play him if it is required," Dravid said in the pre-match press conference.

Rajasthan Royals have endured a challenging start to their IPL 2025 campaign, suffering defeats against Sunrisers Hyderabad and Kolkata Knight Riders. Stand-in captain

Riyan Parag has led the team in the absence of regular skipper Sanju Samson, who has been playing solely as a batter.

Backing Riyan Parag at no.3

Addressing Riyan Parag's role as the new No.3 batter, Dravid expressed unwavering support despite the batter managing only 4 and 25 runs in the opening two matches. The head coach insisted that Parag's potential is undeniable and backed him to find his rhythm as the tournament progresses. "Look, Riyan [Parag] is one of our best batters, let's be honest. And we want to give him as many balls as we possibly can. Twenty overs is a very short time and the more balls Riyan Parag bats for us, the better it is for us as a team," Dravid said. "But honestly, the move to No. 3 was a positive move to try and give him more time to bat. And we know how destructive a player he is and if he gets more time, then he can score more runs and that can benefit the team. And I think he's quite comfortable, he's more than capable of batting at any position," he added.

Meanwhile, Chennai Super Kings are also looking to bounce back after their loss to Royal Challengers Bengaluru, making the upcoming clash a high-stakes encounter.

## MI captain Hardik Pandya fined 12 lakh rupees for code of conduct breach vs GT

New Delhi . Mumbai Indians captain and star all-rounder Hardik Pandya has been fined 12 lakh rupees for a breach of code of conduct during the loss to Gujarat Titans on Saturday, March 29. Hardik was given the fine for maintaining a slow over-rate during the match on Saturday, which was the second loss in a row for the five-time champions. GT posted 196 runs on the black soil pitch which was used in Ahmedabad for the clash and MI struggled to stay on track during the chase. Mumbai lost the match by 36 runs at the end as Gujarat registered their first win of the ongoing campaign. IPL released the statement on their official website, saying that he was fined the amount as it was his team's first



offence of the season. "Mumbai Indians captain Hardik Pandya has been fined after his team maintained a slow over-rate during Match No. 9 of the TATA Indian Premier League (IPL) 2025 against Gujarat Titans at the Narendra Modi Stadium, Ahmedabad."

"As this was his team's first offence of the season under Article 2.2 of the IPL's Code of Conduct, which pertains to minimum over-rate offences, Pandya was fined INR 12 lakhs," read the statement from IPL.

Interestingly, Hardik returned to the lineup for the clash after serving a one-game ban for slow over-rate last season. However, before the start of the season, IPL decided to scrap banning captains for slow over-rates.

## Hardik's eventful day in Ahmedabad

Hardik was returning back to his former stomping ground and it was eventful to say the least. During the second innings, the MI skipper was involved in an altercation with GT's Sai Kishore and both men had an intense staredown. The umpires had to step in before the situation escalated and it was diffused quickly. After the match, both men were seen sharing a laugh about it and Kishore said that it was all in good spirits.

## INTERVIEW: Same rules apply to everybody, says BCCI secretary Devajit Saikia

GUWAHATI. A day ahead of the match between Rajasthan Royals and Chennai Super Kings, the Assam Cricket Association (ACA) office resembled a city centre. From last-minute seating arrangements for very important guests to ticket seekers, it was thronging with people. One such office was right in front of the entrance on the first floor that read BCCI Secretary. It's where Devajit Saikia sits. The newly-elected office-bearer was flooded with media interviews from print to TV. He, however, found some time for an exclusive interview with this daily on Saturday. He spoke on a variety of subjects including the city's cricketing transformation, WTC's proposed two-tier structure and how the same rules apply to everybody within the BCCI, be it Virat Kohli or the logistics manager. Excerpts...

On deferring a scheduled meeting between Gautam Gambhir (men's head coach) and



Ajit Agarkar (men's selection committee chair) I am here because of this match and we have so many invitees from the chief minister, judges to some ministers. It will not look good if I'm not here considering I invited them. That is why I have deferred this meeting. It will be held some other day at some other venue. I do not know. We have not set the agenda and we are not supposed to disclose the agenda also. On Guwahati's

journey, with it set to host a maiden Test later this year International cricket started in Assam on December 17, 1983 when India played against West Indies in the fifth ODI. That was the starting point. Thereafter, we hosted about 16-17 international matches, I am not sure about the exact number. From 2017 onwards, the ACA Stadium in Barsapara started functioning. So we hosted the first international match here — India versus Australia — I think it was on October 10, 2017. Thereafter, we hosted another ODI, India vs West Indies. Subsequently there were two matches, India vs Sri Lanka, India vs South Africa. A lot of other matches were regularly hosted here as per the BCCI's policy of rotation. In 2023, we tried our best to have the World Cup matches here. Although we could not be one of the ten venues, we were allotted four warm-up matches.

## IPL 2025 | Gujarat Titans outclass Mumbai Indians with a 36-run victory in Ahmedabad

New Delhi Gujarat Titans claimed their first win of IPL 2025 with a 36-run victory over Mumbai Indians at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. The Titans posted 196/8 in their 20 overs, and despite some resistance from Suryakumar Yadav and Tilak Varma, Mumbai faltered in the chase, finishing at 160/8. Prasad Krishna was the standout performer with the ball, stifling MI's batting line-up with a brilliant spell, while Mumbai were left to rue their struggles with both bat and ball.

Titans make the most of a blistering start Sent in to bat first, GT openers Shubman Gill and Sai Sudharsan started steadily, reaching 31/0 in four overs. The momentum swung in their favour in the next couple of overs as Mumbai's bowlers struggled.

Hardik Pandya introduced Mujeeb Ur Rehman in the fifth over, but the Afghan spinner was taken for 15 runs. Deepak Chahar suffered worse in the following over, conceding 20 runs, with sloppy fielding adding to MI's

woes. At the end of the powerplay, GT had soared to 66/0. Mumbai Indians, however, clawed their way back as Hardik Pandya and Mitchell Santner bowled two tight overs with no boundaries. The increasing pressure saw Shubman Gill mistime a pull shot straight to deep square leg in the ninth over, departing for 38 off 27 balls. Jos Buttler, promoted up the order, took 21 balls before he finally broke the shackles, smashing Santner for a six and four off successive deliveries. At 92/1 after 10 overs, GT looked well-placed for a massive score.

The second half of the innings saw Sai Sudharsan continue anchoring as he reached his fifty off 33 balls in the 15th over.

He found a reliable partner in Shahrulkh Khan, but after launching Hardik Pandya for a six over deep square leg, Shahrulkh fell for 9 off 6 balls, giving Hardik his second wicket of the night. The Titans were still in a strong position at 151/3 in 16 overs with Rahul Tewatia yet to bat. Young Satyanarayana Raju bore the brunt of GT's late hitting,



conceding 19 runs in an over, including sixes from Sudharsan and Sherfane Rutherford.

However, Mumbai pulled things back immediately as Trent Boult delivered a superb 17th over, conceding just three runs and trapping Sudharsan leg before wicket off the last ball for 63 off 41 balls.

Drama unfolded in the penultimate over as Rahul Tewatia was run out at the non-striker's end without facing a ball. Rutherford then holed out for 18 off 10, caught at long-off by Santner.

Kagiso Rabada's only six in the 19th over helped GT reach 196/8, but they would have been disappointed not to breach the 200-mark after their strong start.

Mumbai's chase falters despite Suryakumar Yadav's knock Needing 197 to win, MI's chase got off to a rocky start. Rohit Sharma, looking to make amends after his duck against CSK, got off the mark with two flicked boundaries off Mohammed Siraj. But Siraj responded immediately, clean bowling Rohit for 8 with a brilliant delivery.

Tilak Varma came in at No.3 and attacked Kagiso Rabada in the next over, smashing 4, 4, and 6 off successive balls. But MI's momentum was stalled as Siraj and Ishant Sharma bowled back-to-back tight overs, restricting them to 32/1 in four overs.

Siraj then struck again in the fifth over, sending Ryan Rickelton back for 6, as the batter inside-edged onto his stumps. Suryakumar Yadav arrived at the crease and got off the mark in style, flicking Siraj over deep backward square leg for a six.



Vijay Sethupathi And

# Trisha Krishnan

Likely To Return For 96 Sequel, Confirms Director

The much-loved Tamil romantic drama 96, starring Vijay Sethupathi and Trisha Krishnan, is officially set to receive a sequel. The 2018 film has earned cult status over the years, praised for its poignant storytelling and soulful performances. Now, fans have reason to celebrate as the story is far from over. At a recent award show, director C. Prem Kumar confirmed that a sequel to 96 is in the works and that the original cast will be returning. "I have written the story of 96. As for the cast, the actors who appeared in the first part will reprise their roles. There is no change in that," he said, without naming the lead pair specifically.

While he didn't directly mention Vijay Sethupathi and Trisha Krishnan, it's widely expected that the duo will return as Ram and Jaanu—two characters whose emotional journey left a lasting impact on audiences. In a previous interview, the director also shared that Vijay's wife had read and liked the sequel's storyline, further fueling speculation about Sethupathi's involvement.

The original 96 followed the story of Ram and Jaanu, childhood sweethearts who reconnect after decades during a school reunion. The film's strength lay in its gentle portrayal of unrequited love, nostalgia, and emotional restraint. It was lauded for its direction, music by Govind Vasantha, and the tender chemistry between the lead actors. Alongside Vijay and Trisha, the film also featured standout performances from Gouri G Kishan, Aadithya Bhaskar, Devadarshini, Bagavathi Perumal, and Aadukalam Murugadoss.

Since then, both lead actors have continued to expand their filmography. Vijay Sethupathi was recently seen in Viduthalai Part 2, directed by Vetrimaaran, and is set to appear in Ace, Train, and a yet-untitled project with Nithya Menen. Trisha, meanwhile, was last seen in Vidaamuyarchi alongside Ajith Kumar and is set to star in Good Bad Ugly, Thug Life, Vishwambhara, Suriya 45, and more. As the 96 sequel takes shape, fans eagerly await to see where Ram and Jaanu's journey heads next—and whether time has more healing or heartbreak in store for them.



DYK Kubbra Sait, Varun Dhawan And Mrunal Thakur Were Together In Acting Class



Actor Kubbra Sait, known for web series like Sacred Games and Foundation, turned showstopper for designer Namrata Joshipura's athleisure collection on Friday evening. The actress walked the Lakme Fashion Week X FDCI 2025 runway in two outfits. After stupefying viewers with her charismatic walk, Kubbra Sait had a candid conversation with a media agency. On the sidelines of the Lakme Fashion Week X FDCI 2025, the actress expressed her excitement for her upcoming movie, Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai, directed by veteran filmmaker David Dhawan. During the conversation with PTL, she stated, "I am really excited. Working with David Dhawan, sir, was a legacy project in my life. I get to work with the 'No 1' director. It's pretty awesome. I can't speak much about that... I was working on the bits and parts that I did with a very dear friend, Mrunal, and my other friend, who was also my co-student in acting class, Varun Dhawan."

In the same conversation, Sait also spoke about navigating social media. On being asked if she feels the need to self-censor, the actress said social media is here to stay, and one needs to develop a relationship with it. "For starters, I feel you need to have fun, and I've had fun when I put those jokes out. The second part of just being a creative person, given the environment that you are in, is that I am not speaking about censorship, I feel it is important that if you say something and mean something, then you stand by it," she stated. Elaborating further, she asserted, "Unfortunately, we all are missing a little courage, and I am not saying stand by what you are saying in a way that it's you against the world, but it is you by your own self. That's two strengths together. I feel there's a lot of power when you look at it that way. You just have to be you, and I think I am having fun being me, interacting with people."

Billed as a family entertainer, Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai also stars Varun Dhawan, Maniesh Paul, Mrunal Thakur and Pooja Hedge in key roles. The Ramesh Taurani production promises to be a delightful cinematic experience, and fans are eager to see Varun and Pooja's on-screen chemistry.

'Stay Grounded': Sushmita Sen's Piece Of Advice For Laapataa Ladies' Nitanshi Goel



Nitanshi Goel got immense appreciation for portraying the role of Phool in Kiran Rao's directorial Laapataa Ladies. The movie, which was released in theatres in March 2024, also features Pratibha Ranta, Sparsh Shrivastava, Ravi Kishan and Chhaya Kadam in key roles. Recently, Nitanshi also bagged the Best Debut Female award for her incredible acting skills at the Pinkvilla Screen & Style Icons Edition 4 event. A video captured from the same event, featuring a heartfelt conversation between the actress and veteran star Sushmita Sen, surfaced on social media.

A Reddit user shared the video, featuring Nitanshi Goel and Sushmita Sen's candid conversation on the discussion platform. The clip begins with the 49-year-old star praising the young actress and embracing her. "Congratulations, what an actor," the Main Hoon Na actress exclaimed while hugging the Laapataa Ladies Fame. Jumping in enthusiasm, Nitanshi replied, "I'm a huge fan of you, ma'am." Interrupting her, Sushmita again mentioned, "You're an outstanding actor."

Undoubtedly, the young actress was amused to receive such lovely compliments from her idol. She quipped, "You saying this to me have made my day." However, adding more to this, Sushmita stated, "You've such a long way to go, my love. So young and so beautiful." But she also has a piece of advice for Nitanshi, and mentioned, "Stay grounded." "Sushmita Sen praises and hugs Laapataa Ladies' 'outstanding actor' Nitanshi Goel, advises her to 'stay grounded'!!" read the caption alongside the video.

Praising the veteran actress and her candid meeting with Nitanshi, one user commented, "Sushmita madam is a damn good actress from olden days. Hope Nitasha gets good training for her career ahead from Sushmita Madam. Then maybe she can one day do a real picture that comes out in the theatre and not on online internet only."

However, many others also revealed that their chat was pretentious. "No advice on how to get diamond rings?" read a hilarious comment. Someone said, "I always get pretentious vibes off Sush," while another added, "So fake lol." "You think she will. lol after making it she will show attitude to strugglers and outsiders only and boot l\*\*k the nepo cancer gang. Just like Bhoomi/Tapsee and other idiots. Hopefully she proves me wrong but chances are really very slim," read another comment.

# Tamannaah Bhatia

A Vision In Black, Will Make You Stop And Stare

Tamannaah Bhatia is setting the bar high with her glamorous photos on the Internet and how. The actress recently strutted down the runway at the prestigious Lakme Fashion Week, wherein she turned showstopper for Falguni Shane Peacock. With her effortless elegance, she left a lasting impression on the audience, winning hearts with her undeniable beauty.

Beyond her professional endeavours, Tamannaah Bhatia has been in the headlines for her personal life. A source earlier told Pinkvilla that they have maintained mutual respect and plan to remain good friends despite the separation. He said, "Tamannaah Bhatia and Vijay Varma parted ways weeks ago as a couple but they plan to remain good friends. Both have been working hard in their respective schedules."

Talking about the reason behind their breakup, another report by Siasat Daily claimed that the actress wanted to settle down, tie the knot with the actor and was growing impatient. The pressure eventually turned into a "point of contention" between the two actors and caused several "frequent disagreements".

Tamannaah Bhatia and Vijay Varma started dating each other in 2022. The duo met each other while filming for Sujoy Ghosh's segment in Netflix's Lust Stories 2. The show premiered in June 2023. Their relationship was confirmed by the actress in an interview with Film

Companion in June 2023. On the work front, Tamannaah Bhatia will next be seen in Shiva Shakti in her upcoming film, Odela 2. In the film, she plays a Shiva devotee who saves her village from evil forces. The film, a sequel to Odela Railway Station (2022), is slated for release on April 17. Written by Sampath Nandi, the film will see Tamannaah alongside Hebah Patel, Vasishtha N Simha, Yuva, Naga Mahesh, and several others.



Now, Tamannaah has posted a close-up view of her look, much to the delight of fans on social media. In the post on Instagram stories, Tamannaah Bhatia is seen wearing a stunning black ensemble, featuring a tailored blazer paired with a sheer top and sleek black trousers. The corset top was further adorned with floral embellishments, elevating the look to new heights. Her bold makeup and open tresses sealed the glam deal, compelling fashionistas to take notes from.

